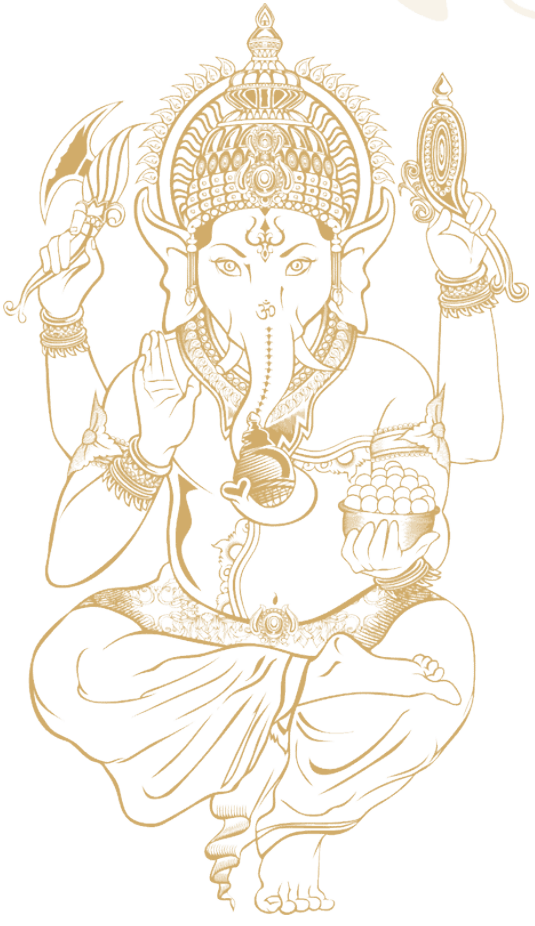

Mr.anubhav

Ms.kajal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120627908

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/08/1991	जन्म तिथि	2-03/09/1994
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 30:06:03	जन्म समय(घटी)	57:48:31 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Alwar
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:34	सूर्योदय	06:02:52
18:49:54	सूर्यास्त	18:43:31
23:44:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 7मा 4दि		03:06:20	मक	लग्न	सिंह	01:49:11	शनि 8वर्ष 8मा 13दि	
गुरु		19:48:10	कर्क	सूर्य	सिंह	16:28:06	केतु	
11/03/2013		29:49:05	वृष	चंद्र	कर्क	10:33:35	17/05/2020	
11/03/2029		19:53:48	सिंह	मंगल	मिथु	17:14:30	17/05/2027	
गुरु	29/04/2015	12:04:06	सिंह	बुध	कन्या	04:16:57	केतु	13/10/2020
शनि	10/11/2017	28:16:20	कर्क	गुरु	तुला	16:19:21	शुक्र	13/12/2021
बुध	15/02/2020	13:04:42	सिंह व	शुक्र	तुला	02:06:58	सूर्य	20/04/2022
केतु	21/01/2021	08:59:24	मक व	शनि व	कुंभ	15:07:35	चन्द्र	19/11/2022
शुक्र	22/09/2023	25:03:07	धनु	राहु व	तुला	23:32:48	मंगल	17/04/2023
सूर्य	11/07/2024	25:03:07	मिथु	केतु व	मेष	23:32:48	राहु	04/05/2024
चन्द्र	10/11/2025	16:50:22	धनु व	हर्ष व	धनु	28:56:35	गुरु	10/04/2025
मंगल	16/10/2026	20:52:50	धनु व	नेप व	धनु	27:01:14	शनि	20/05/2026
राहु	11/03/2029	23:50:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:42:56	बुध	17/05/2027

लग्न-चलित

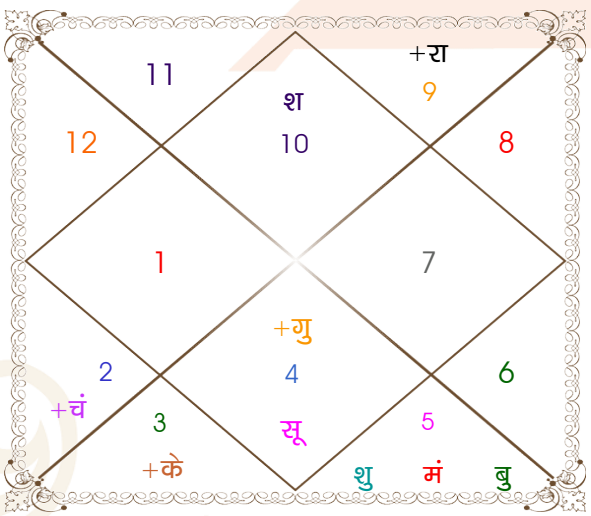

लग्न-चलित

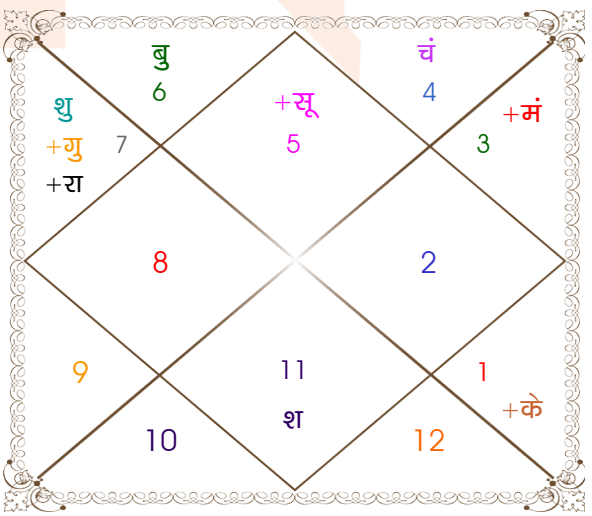

Arawali jyotish and vaastu
Pt rakesh s khandelwal
Arawali nagar
near shiv mandir
lohagal ajmer
9799933111
ptrakeshkhandelwal@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.anubhav का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.kajal का नक्षत्र पुष्य है।

Mr.anubhav का वर्ग मृग है तथा Ms.kajal का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.anubhav और Ms.kajal का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.anubhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.kajal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.kajal कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.anubhav तथा Ms.kajal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।